ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-01-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-01-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-01-17	2024-01-18	2024-01-19	2024-01-20	2024-01-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	24.0	24.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	10.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	44	38	37	32
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	11	21	18	18	19
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	13	12	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	32	43	62	54	38
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 24.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 09.0 से 10.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

मौसम की स्थिति फसलों में कीट और रोगों की घटनाओं को बढ़ाने के लिए अनुकूल है। इसलिए नियमित रूप से अपने फसल क्षेत्र का दौरा करें और नियंत्रण उपायों का उपयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई खेत मे चूहा नियंत्रण के लिए एक भाग जिंक फास्फाइड को 47 भाग आटा और दो भाग मूंगफली के तेल में मिलाकर विषैला चुग्गा बनाकर बिलों के पास रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर बुवाई के 70 दिन बाद सिंचाई करें। फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफास 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर के नियन्त्रण हेतु फली बनने के बाद मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 कि.ग्रा, प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की फसल में एफिड कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर या थायोमिथोक्साम 25 घुलनशील चूर्ण 100 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
	ईसबगोल की फसल में बुवाई के 65 दिन बाद सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाएं तथा रात में पशुओं को गर्म स्थान जैसे की छत के नीचे या घास फूस के छप्पर में बाधें तथा पशुओं के बिछावन को समय समय पर बदले रहें।